जैवविविधता प्रबंधन समितियॉ तथा नर्मदा सेवा यात्रा

मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री, मान. श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में दिनांक 11 दिसम्बर 2016 से ''नर्मदा सेवा यात्रा'' प्रारंभ की गयी है। नर्मदा सेवा यात्रा का समापन कार्यक्रम दिनांक 15 मई 2017 को नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिती में आयोजित किया गया।

नदियों के प्रवाह को अविरल एवं निर्मल बनाये रखने हेतु देश एवं विदेशो में नर्मदा सेवा यात्रा को एक आंदोलन के रुप में अभूतपूर्व पहचान प्राप्त हुई है। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश के विकास में नर्मदा नदी के महत्व को रेखांकित करते हुए नर्मदा के प्रवाह को अविरल व निर्मल (प्रदूषण मुक्त) बनाये रखना है। नर्मदा नदी को अविरल बनाने में जंगलों व नर्मदा का निर्मल बनाये रखने में नदी के किनारे बसे शहर एवं गांवों के स्थानीय निकायों एवं निकाय स्तर पर गठित समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

जैवविविधता अधिनियम, 2002 की धारा 41 एवं मध्यप्रदेश जैवविविधता नियम, 2004 के नियम 23 अनुसार जैवविविधता का संरक्षण एवं संवर्धन हेतु स्थानीय निकाय द्वारा अपने अधिकारिता क्षेत्र में जैवविविधता प्रबंधन समिति के गठन का प्रावधान है। जैवविविधता प्रबंधन समितियों का कार्य अपने अधिकारिता क्षेत्र में पारिस्थितिकीय तंत्र को बनाये रखना है, जिसमें नदी संरक्षण भी सम्मिलित है। अतः नर्मदा घाटी में स्थित सभी जैवविविधता प्रबंधन समितियों का गठन/पुनर्गठन/सक्रियकरण करने से ''नर्मदा सेवा यात्रा–नर्मदा सेवा मिशन'' के उद्देश्य पूर्ति की दिशा में एक स्थाई ढांचे का निर्माण किया जा सकेगा।

नर्मदा के प्रवाह को अविरल व निर्मल (प्रदूषण मुक्त) बनाये रखने हेतु नर्मदा सेवा यात्रा–नर्मदा सेवा मिशन–जैवविविधता प्रबंधन समितियॉ की अवधारणा पर मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड भोपाल द्वारा दो चरणों में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम चरण का आयोजन दिनांक 06–07 अप्रेल 2017 को तथा द्वितीय चरण का आयोजन दिनांक 01 –02 मई 2017 का भोपाल में किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा जैवविविधता प्रबंधन समितियों का जैवविविधता संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में सक्रियता बनाये रखने हेतु अत्यंत उपयोगी सुझाव दिए गये है।

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा नर्मदा सेवा यात्रा–नर्मदा सेवा मिशन के उद्देश्य पूर्ति की दिशा में नर्मदा नदी को निर्मल एंव अविरल बनाने हेतु नर्मदा घाटी में स्थित प्रदेश के 16 जिलों

में स्थानीय निकाय स्तर पर 166 जैवविविधता प्रबंधन समितियों का गठन व सक्रियकरण का कार्य 10 अप्रेल 2017 से 30 अप्रैल 2017 की अवधि में संपन्न किया गया। नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों में स्थानीय निकायों स्तर पर बोर्ड द्वारा इस कार्य को निरंतर जारी रखा गया है एवं नदी के तटीय क्षेत्रों में 500 जैवविविधता प्रबंधन समितियों के गठन/पुनर्गठन/सक्रियकरण का लक्ष्य है।

नर्मदा के तटीय क्षेत्र में सक्रिय जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सहयोग से जुलाई 2017 के प्रथम सप्ताह की अवधि में 2 लाख पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर बोर्ड द्वारा श्री अमृतलाल वेगड़ के नर्मदा नदी विचार को रेखांकित करते हुये वृत्त चित्र बनाया गया।

''नर्मदा सेवा यात्रा–नर्मदा सेवा मिशन–जैवविविधता प्रबंधन समितियॉ'' की अवधारणा के आधार पर नर्मदा के प्रवाह को अविरल व निर्मल (प्रदूषण मुक्त) बनाये रखने हेतु नर्मदा सेवा मिशन की कार्ययोजना अनुसार जैवविविधता संरक्षण हेतु स्थानीय निकाय स्तर की गठित जैवविविधता प्रबंधन समितियॉ सक्रिय रुप से महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगी।

MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD

जल–वन–नर्मदा–भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा भोपाल में दिनांक 19 से 22 मार्च तक **जल–वन–नर्मदा–भोपाल** विषयक जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में शहरी क्षेत्रों के स्थानीय रहवासियों द्वारा जैवविविधता संरक्षण संवर्धन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास किया गया है। दिनांक 21 मार्च 2017 को अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस (21 मार्च) एवं दिनांक 22 मार्च 2017 को विश्व जल दिवस (22 मार्च) के अवसर पर बोर्ड द्वारा समग्र शासन की ओर जागरूकता अभियान कार्यशाला आयोजन किया गया।

जल–वन–नर्मदा–भोपाल (जन जागरूकता रैली)

जल–वन–नर्मदा– भोपाल आधारित जन जागरूकता रैली का आयोजन दिनांक 19 मार्च 2017 को सुबह 7:00 बजे टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल में किया गया। इस अवसर पर रैली का शुभारंभ मान. वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार के मुख्य आतिथ्य एवं श्री दीपक खांडेकर, अपर मुख्य सचिव, म.प्र. शासन वन विभाग एवं डॉ. अनिमेष शुक्ला, प्रधान मुख्य वन सरंक्षक की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन एवं विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण, पत्रकारगण एवं स्थानीय भोपाल के नागरिकों द्वारा सक्रिय रूप से भाग लिया गया। जिला प्रशासन के सहयोग से भोपाल स्थित शासकीय एवं अशासकीय स्थानीय महाविद्यालयों/स्कूलों के लगभग 4000 छात्र–छात्राओं द्वारा रैली में भाग लिया गया। रैली में नर्मदा को अवरिल एवं निर्मल बनाने तथा नदी संरक्षण से संबंधित नारे के साथ भोपाल के विद्यालय एवं महाविद्यालयीन छात्राओं द्वारा उत्साह पूर्वक भाग लिया गया। रैली टी.टी स्टेडियम से प्रारंभ होकर लिंक रोड नं. 1 से होते हुये लगभग 2 किलो मीटर यात्रा पश्चात पुनः टी.टी. नगर स्टेडियम पर समाप्त हुई। रैली के समाप्ती पर उपस्थित छात्र– छात्राओं विशेषज्ञों द्वारा जल–वन–नर्मदा भोपाल विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर छिन्दवाड़ा जिले के रंगमंच कलाकारों द्वारा जैवविविधता आधारित लघु नाटिका का प्रदर्शन किया गया।

जल–वन–नर्मदा–भोपाल (चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता)

जल–वन–नर्मदा–भोपाल रैली के पश्चात दिनांक 19 मार्च 2017 को रैली के प्रतिभागियों एवं विद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्र– छात्राओ हेतु बोर्ड द्वारा जल, जंगल, नर्मदा (नदी) व भोपाल (समुदाय) विषयक चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चित्रकला तथा निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का कार्यक्रम वरिष्ठ एवं कनिष्ठ समूह के लिये आयोजित किया गया। जिसमें भोपाल के आम–जन एवं छात्र–छात्राओं द्वारा भाग लिया गया। इस प्रतियोगिता में निबन्ध

लेखन वरिष्ठ समूह में महेश सोनी, मीतू जोशी एवं राजाराम रावते क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे एवं कनिष्ठ समूह में मेहल अजमेरा, रिया जैन एवं महक जैन तथा पूजा कुशवाहा क्रमशः प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में वरिष्ठ समूह में राजू प्रसाद विश्वकर्मा, आरती सिंह एवं निधि वर्मन क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे एवं कनिष्ठ समूह में राजदीप मृधा, आरूषि रंजन एवं अन्तरिक्ष सेठिया क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। इन विजेताओं को पुरूस्कार स्वरूप राशि तथा प्रमाण पत्र माननीय वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार द्वारा दिनांक 21 मार्च 2017 को प्रदान किया गया।

जल–वन–नर्मदा–भोपाल (समग्र शासन की ओर जागरूकता कार्यशाला)

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस 21 मार्च एवं विश्व जल दिवस 22 मार्च के अवसर पर जल–वन–नर्मदा–भोपाल की थीम पर आधारित समग्र शासन की ओर जागरूकता विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस **अन्तर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस** 21 मार्च 2017 को मान. वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार के मुख्य आतिथ्य एवं श्री दीपक खांडेकर, अपर मुख्य सचिव, म.प्र.शासन वन विभाग एवं डॉ. अनिमेष शुक्ला, प्रधान मुख्य वन सरंक्षक की उपस्थिति में वरिष्ट वन अधिकारीगण, सहयोगी विभागों के अधिकारीगण एवं विशेषज्ञ, अशासकीय संस्थाये, जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिकों द्वारा कार्यशाला में भाग लिया गया।कार्यक्रम का समापन **विश्व जल दिवस** दिनांक 22 मार्च 2017 को स्वर्ण जयंती ऑडीटोरियम आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में मान. सीताशरण शर्मा, विधान सभा अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य, मान. श्रीमति अर्चना चिटनिस, महिला बाल विकास मंत्री के विशेष आतिथ्य तथा मान. वन मंत्री डॉ गौरीशंकर शेजवार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला में मान. वन मंत्री डॉ गौरीशंकर शेजवार द्वारा श्रेष्ठ फोटोग्राफी प्रतियोगिता, चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर ''मध्य प्रदेश जैवविविधता विरासत स्थल दिशानिर्देश, 2017'' तथा ''मध्य प्रदेश वानस्पतिक जैवविविधता नर्सरी 2017'' पुस्तकों का विमोचन किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 22 मई 2017

अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस संपूर्ण विश्व में 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 22 मई 2017 हेतु ''जैवविविधता–संवहनीय पर्यटन'' "Biodiversity and Sustainable Tourism" विषय निर्धारित किया गया। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के अवसर पर दिनांक 20–22 मई 2017 तक भोपाल में विभिन्न राज्य स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा प्रशासन अकादमी, भोपाल में कार्यशाला का राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जैवविविधता बोर्ड पर्यटन विभाग, आनंद विभाग, ईको पर्यटन बोर्ड, इस क्षेत्र से जुड़े अशासकीय संगठन, पर्यटन गाइड, होटलर्स के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया। यह कार्यक्रम श्री रवि श्रीवास्वत, मुख्य वन संरक्षक, प्रबंध संचालक, म.प्र.राज्य वन विकास निगम की अध्यक्षता एवं अशासकीय सदस्य श्री शशांक ओगले के विशेष आतिथ्य में आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोर्ड द्वारा मैपकॉस्ट के सहयोग से तैयार किये जा रहे जैवविविधता एटलस तथा भौगोलिक सूचना तंत्र जी.आई.एस. Geographic information system (GIS) आधारित बेवपोर्टल ब्रोशर का विमोचन किया गया।

कार्यशाला में वन विभाग, कृषि विभाग, कृषक कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, स्थानीय महाविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, एवं विषय विशेषज्ञ भी उपस्थित हुये। कार्यक्रम में प्रदेश की जैवविविधता प्रबंधन समितियों के पदाधिकारीगण एवं बोर्ड के मास्टर ट्रेनर, जैवदूत तथा विषय–विशेषज्ञों द्वारा सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में विषय–विशेषज्ञों द्वारा जैवविविधता संरक्षण–संवर्धन के प्रति व्याख्यान दिये गये एवं बोर्ड द्वारा निर्मित मध्यप्रदेश में संवहनीय पर्यटन : चंबल एवं सोन्स जंगल में आग, खेतो में आग, क्या कर रहें हैं आप ? एवं जल – नदी–पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नर्मदा पुत्र श्री अमृतलाल वेंगड़ जी का आह्वान फिल्म का प्रदर्शन किया गया। भोपाल के स्थानीय आम नागरिको में जैवविविधता जागरूकता के उद्देश्य से अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के अवसर पर भोपाल स्थित 5 मॉलो में सायं 6 से रात्रि 10 बजे तक जैवविविधता आधारित प्रश्नोत्तरी, चित्रकला प्रतियोगिता एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बोर्ड द्वारा प्रदेश के संभाग, जिले एवं स्थानीय निकाय स्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 22 मई 2017 के अवसर पर जैवविविधता जागरूकता के उद्देश्य से विशेष पहल की गई है

जिसमें संभागीय स्तर पर ग्वालियर, मुरैना, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, भोपाल, सागर, होशंगाबाद, रीवा एवं शहडोल में कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसके साथ ही वन विभाग के सहयोग से जिला मुख्यालय स्तर पर, राष्ट्रीय उद्यानों एवं वन विद्यालय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संभाग एवं जिला स्तर के कार्यक्रमों में मुख्यतः जैवविविधता जागरूकता हेतु कार्यशाला, सेमिनार एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बोर्ड के सहयोग से जिला छिन्दवाड़ा, नरसिंहपुर एवं जबलपुर में स्थानीय निकाय पर गठित जैवविविधता प्रबंधन समितियों द्वारा भी अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत के स्थानीय नागरिकों हेतु जैवविविधता जागरूकता व्याख्यान एवं रैली का आयोजन किया गया।

''नेचर कैंप''

जैवविविधता जागरूकता कार्यक्रम भोपाल के आस–पास पर्यटन क्षेत्रों केरवा, कलियासोत, बड़ा तालाब, वन विहार में जैवविविधता तथा पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु जैवविविधता प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम व पर्यावरण जागरूकता कैंप में प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 20 एवं 21 मई 2017 को नेचर केंप का आयोजन किया गया। नेचर कैंप में जैवविविधता के क्षेत्र में रूचि रखने वाले भोपाल के स्थानीय निवासियों द्वारा बर्ड वाचिंग तथा नेचर वॉक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जैववविधिता के विषय–विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिये गये एवं बोर्ड द्वारा जैवविविधता आधारित फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कैंप में प्रतिभागियों द्वारा जैवविविधता आधारित लघु नाटिका गौरैया एवं जैवविविधता से संबंधित कविता गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को बोर्ड द्वारा नेचर कैंप एवं भोपाल शहर में जैवविविधता संरक्षण संवर्धन हेतु प्रचार–प्रसार सामग्री, जैवविविधता आधारित सी.डी. एवं 10000 पौधो का निःशुल्क वितरण किया गया।

जीवो जीवस्य जीवनम्
MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD

''बीज बचाओ–कृषि बचाओ यात्रा''

मध्यप्रदेश जैव–विविधता से सम्पन्न प्रदेश है। इसमें हमारी कृषिगत विविधता भी शामिल है। प्रदेश में धान की अनेक किस्में, कोदो, कुटकी, सांवा, ज्वार, मक्का, सोयाबीन, गेहूँ आदि अनेक कृषि प्रजातियाँ पैदा की जाती हैं। वर्तमान समय में कृषि पद्धतियों में बदलाव के कारण भी अनेक विशिष्ट, पारंपरिक किस्में जैसे जीराशंकर, विष्णुभोग, चिन्नौर (चावल की किस्में), कठियाँ (गेहूँ की किस्म) बैगानी राहर (तुवर दाल), कोदो, सांवा, डोडमा, कांगणी एवं देशी सब्जियों, फलों की खेती लगातार कम होती जा रही है एवं इनके बीज भी विलुप्त होते जा रहे हैं।

इन्हीं प्रजातियों को संरक्षित किये जाने के उद्देश्यों से मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा ''बीज बचाओ–कृषि बचाओ'' यात्रा का शुभारंभ 02 मई, 2017 को प्रदेश की राजधानी भोपाल से हुआ। बीज यात्रा का आयोजन दिनांक 2 मई 2017 से 10 जून 2017 तक (प्रथम चरण) एवं दिनांक 17 जून 2017 से 05 जुलाई 2017 तक (द्वितीय चरण) कुल 56 दिवस तक किया गया। यात्रा दल में कृषि के जानकार श्री बाबूलाल दाहिया, जिला सतना, श्री शैलेष सिंह कुशवाह, ग्वालियर, श्री जगदीश यादव, रीवा, श्री अनिल कर्णे, जबलपुर, श्री रामलोटन सिह, सतना एवं श्री नीलेश कपूर, भोपाल सम्मिलित हुये।

यात्रा के प्रथम चरण में होशंगाबाद, बैतूल, छिंदवाडा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, नरसिंहपुर, जबलपुर, डिण्डौरी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, सीधी, रीवा, सतना, पन्ना, छतरपुर, सागर, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, गुना, विदिशा एवं रायसेन सहित 24 जिलों में कुल 36 चौपालों का आयोजन किया गया। बीज यात्रा के प्रथम चरण का समापन रायसेन जिले के ओबेदुल्लागंज के ग्राम टीलाखेडी में दिनांक 10 जून 2017 को हुआ।

यात्रा के द्वितीय चरण का शुभारम्भ 17 जून, 2017 को भोपाल से हुआ जिसमें राजगढ़, शाजापुर, मंदसौर, नीमच, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगौन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, देवास एवं सीहोर सहित कुल 15 जिलों में 19 चौपालों का आयोजन किया गया। बीज यात्रा के द्वितीय चरण का समापन सीहोर जिले के आष्टा ब्लाक के ग्राम किलेरामा में दिनांक 05 जुलाई 2017 को हुआ।

सम्पूर्ण बीज यात्रा में मध्यप्रदेश के 39 जिलों में 55 चौपालों के माध्यम से देशज बीजों एवं जैविक खेती सहित जैव–विविधता की अलख जगाने वाली यह यात्रा अपनी तरह की अनूठी एवं प्रदेश के वृहद भू–भाग को समाविष्ट करने वाली रही है। यात्रा के दौरान न सिर्फ विलुप्तप्राय

प्रजाति के देशज बीज वृहद संख्यॉ में प्राप्त हुए, वरन जैविक किसानों की पहचान, स्थानीय जैव विविधता, संस्कृति, रहन–सहन एवं परंपराऍ, पशु, जलवायु दशाऍ, मिट्टी, जल संसाधन सहित वैविध्यपूर्ण विशेषताऍ देखने को मिली।

बीज यात्रा में 1411 किसानों एवं कृषि विशेषज्ञों सहित खेती किसानी में रूचि लेने वाले लोगों ने प्रतिभागिता की गई एवं जिसमें 224 बीज नायकों का चिन्हीकरण किया गया। यात्रा के दौरान कुल 144 प्रजातियों के 470 किस्मों के बीजों का संग्रहण किया गया।

यात्रा के उद्देश्यों के अनुरूपयात्रा के दौरान बड़ी मात्रा में पारंपरिक देशी बीजों की प्रजातियों का दस्तावेजीकरण एवं इन प्रजातियों को संरक्षित करने वाले किसानों को चिन्हांकित किया गया। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा यात्रा में संग्रहित बीजों को जैवविविधता प्रबंधन समिति, पिथौराबाद जिला सतना के बीज बैंक में सुरक्षित रखा गया है एवं 160 प्रजातियों के बीजों को मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा स्थापित जैवविविधता सीख एवं प्रदर्शन केन्द्र, सूरज नगर में प्रदर्शन हेतु रोपित किया गया।

MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD

ताप्ती पुनर्स्थापन कार्यक्रम

मध्यप्रदेश की नदियों (नर्मदा नदी एवं ताप्ती नदी) के संरक्षण की दिशा में मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड प्रयासरत है। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस (21 मार्च) तथा विश्व जल दिवस (22 मार्च) के अवसर पर 19 से 22 मार्च 2017 तक जल–वन–नर्मदा–भोपाल विषयक जन जागरूकता कार्यक्रम के समापन समारोह में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित मान. अर्चना चिटनिस, मंत्री, महिला एवं बाल विकास, मध्यप्रदेश द्वारा जन जागरूकता अभियान की सराहना करते हुये सुझाव दिया गया नर्मदा सेवा यात्रा की तरह ताप्ती सेवा यात्रा भी प्रारंभ की जानी चाहिये। ताप्ती नदी के संबंध में अवगत कराया गया कि मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के मुलताई (उद्गम स्थल) से निकलकर सतपुड़ा पहाड़ी के मध्य से पश्चिम की ओर बहती हुई महाराष्ट्र के खानदेश के पाठर एवं सूरत के मैदान को पार करती हुई अरब सागर में गिरती है। ताप्ती नदी के कछार क्षेत्र की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण ताप्ती नदी के कछार क्षेत्र में पुनर्स्थापन एवं संरक्षण संरक्षण के कार्य प्रारंभ किये जाने की आवश्यकता है।

इस हेतु सदस्य सचिव एवं प्रबंधक (बायो.), जैवविविधता बोर्ड द्वारा दिनांक 24 एवं 25 मई 2017 को बुरहानपुर का प्राथमिक सर्वेक्षण हेतु प्रवास किया गया। दिनांक 25 मई 2017 मान. मंत्री, महिला एवं बाल विकास, मध्यप्रदेश, कलेक्टर, बुरहानपुर के समक्ष जैवविविधता संरक्षण संवर्धन संबंधित विशेष प्रस्तुतीकरण किया गया। मान. मंत्री द्वारा निर्देशानुसार ताप्ती नदी संरक्षण को मूर्त रूप देने हेतु 100 जैवविविधता प्रबंधन समितियां का गठन एवं सक्रियकरण के आधार पर नदी की दिशा में एक प्राथमिक सहमति बनी। मान. मंत्री तथा जिला अध्यक्ष द्वारा इस हेतु आवश्यक बजट के संबंध में विभिन्न विभागों को प्राप्त बजट में रूपांतरण के माध्यम से किया जाने का निर्णय लिया गया।

जैवविविधता बोर्ड द्वारा ताप्ती नदी के कछार क्षेत्र में पारिस्थितिकीय तंत्र को संरक्षित हेतु दिनांक 6 से 8 जून 2017 तक जैवविविधता विशेषज्ञ प्रो. सी. आर. बाबू, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डॉ फय्याज कुदसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा बुरहानपुर में क्षेत्रीय निरीक्षण के आधार पर कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया। ''जैवविविधता प्रबंधन समितियां–ताप्ती सेवा यात्रा–ताप्ती सेवा मिशन'' अंतर्गत ताप्ती नदी के कछार क्षेत्र में पारिस्थितिकीय तंत्र को संरक्षित के लिए प्राथमिक ताप्ती पुनर्जीवन कार्ययोजना तैयार की गयी है। इस कार्ययोजना में ताप्ती नदी के कछार क्षेत्र में स्थानीय निकाय स्तर पर जैवविविधता प्रबंधन समितियों का गठन/सक्रियकरण किया

जाना है। ताप्ती नदी पुनर्स्थापन का कार्य वन विभाग एवं जैवविविधता प्रबंधन समितियों के माध्यम से कार्य संपादित किया जाना है।

ताप्ती संरक्षण हेतु तैयार कार्ययोजना अनुसार ताप्ती नदी किनारा, बुरहानपुर एवं भोलना में जलग्रहण क्षेत्र व ईको रेसटोरेशन हेतु ताप्ती तटीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं बीजा रोपण (कहुआ, जामुन, आम) कार्य के साथ नदी के कछार में घास स्लिप्स का रोपण, घास के बीजों का छिड़काव, पौधा रोपण किया जाना है। इसके साथ ही नदी के तटीय क्षेत्रों में स्थित स्थानीय निकाय ग्राम पंचायत स्तर पर जैवविविधता प्रबंधन समितियों के माध्यम से टेंक बंड पर बेर, कुहआ एवं जामुन का बीजा रोपण तथा वन क्षेत्रों में घास बीज, कहुआ, जामुन, आम एवं अंजन का बीजा रोपण कार्य प्रस्तावित है।

जीवो जीवस्य जीवनम्
MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD

मड़बाल बीज रोपण व बीज़ गणेश कार्यक्रम

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा नवाचार कार्यक्रम के अंतर्गत फलदार एवं छायादार पौधों के बीजो का संग्रहण कर पर्यावरण संरक्षण एवं जैवविविधता संरक्षण के उद्देश्य से मड़बाल बीज ''रोपण कार्यक्रम'' एवं ''माटीं गणेश–बीज गणेश–सजीव गणेश'' का आयोजन किया गया।

मडबॉल बीज रोपण कार्यक्रम :

बोर्ड द्वारा इस वर्षा ऋतु में एक अभिनव पहल ''प्रदेश के मौसमी फलों एवं जंगलीय प्रजातियों का बीज संग्रहण कर उनका संरक्षण'' प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 02.07.2017 एवं 09.07.2017 को भोपाल में 12 स्थानों कलियासोत डेम, रीजनल म्यूसियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्र, भोपाल, सारस बायोडायवर्सिटी, कलियासोत डेम, बोटानिकल गार्डन, कटारा हिल्स, भोपाल, स्वर्ण जंयती पार्क, कोलार रोड, भोपाल, बुल मदर फार्म, केरवा डेम रोड, भोपाल, सेंट जेवियर स्कूल, भोपाल, न्यू केंपियन स्कूल, धनवंतरी पार्क, भोपाल, प्रधान मंडपम, आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा ऐकेडमी, भोपाल, बॉयोडॉयवर्सिटी लर्निंग एवं डेमो सेन्टर, सूरज नगर, भोपाल पर मडबॉल बनाने का प्रदर्शन एवं बीजा रोपण किया गया। कार्यक्रम में आई.आई.एफ.एम. भोपाल, मैनिट भोपाल, जैवविविधता विषय–विशेषज्ञ एवं भोपाल बर्ड्स के प्रतिनिधियों के 154 बालटिंयर्स के मार्गदर्शन में 12 स्थानों दल बनाकर समीप के स्थानीय नागरिकों, विद्यालय एवं महाविद्यालयीन छात्र–छात्राओं के सहयोग से मिट्टी में बीजो को रखकर एवं बीज सहित मिट्टी की बॉल बनाकर मड़बाल बनाई गई। मडबॉल कार्यक्रम में कुल 268 रजिस्ट्रेशन हुये विभिन्न स्थानों पर मडबॉल बनाने का प्रदर्शन एवं बीजारोपण किया गया। कार्यक्रम में लगभग 557 लोगों द्वारा भाग लिया गया एवं लगभग 5000 बीजों का रोपण किया गया।

बीज गणेश कार्यक्रम :

''माटीं गणेश–बीज गणेश–सजीव गणेश'' विषय–वस्तु पर आधारित बीज गणेश कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 25.08.2017 से प्रारंभ 10 दिवसीय गणेश उत्सव के पूर्व माटी के गणेश बनाने एवं उसमें फलदार पौधो के बीजों को रोपित करने के उद्देश्य से किया गया। इसमें जन जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन दिनांक 18.08.2017 से 25.08.2017 तक किया गया। इस कार्य. क्रम के शुभांरभ दिनांक 16.08.2017 के अवसर पर राज्यसभा सांसद, मध्य प्रदेश, मान. ला. गणेशन जी द्वारा जैवविविधता प्रबंधन समिति सरदार नगर, विकास खण्ड बुदनी, जिला सिहोर, में ''माटीं गणेश–बीज गणेश–सजीव गणेश'' के पोस्टर का विमोचन कर किया गया।

MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD

बोर्ड द्वारा आयोजित बीज गणेश कार्यक्रम के आयोजन में शासकीय/अशासकीय शैक्षणिक संस्थान, स्वयं सेवी संस्थान/निजी संस्थान, रहवासी समितिया/गणेश मण्डल पंडाल, व्यक्ति विशेष एवं जैवविविधिता प्रबंधन समितियों के द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। इनके द्वारा विभिन्न स्थानों पर बीज गणेश बनाने का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण एवं जागरूकता केन्द्र में बोर्ड द्वारा खाद, मुलतानी मिट्टी, बीज– आंवला, अमरूद एवं सब्जियों एवं प्रचार प्रसार सामग्री सहित किट प्रदान की गई। जन जन को जागरूक करने के उद्देश्य से इस अवसर पर लघु फिल्म बनाई गई एवं इसका प्रचार प्रसार व्हाटसऐप के माध्यम से किया गया।

भोपाल एवं प्रदेश के अन्य स्थानों पर जन जन द्वारा मिट्टी के गणेश बनाने एवं उसमें में बीज रोपित करने का कार्य व्यापक स्तर पर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भोपाल शहर के मूर्तिकारों के विक्रय केन्द्र एवं निर्माण स्थानों, शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों, महाविद्यालयों, भोपाल शहर की रहवासी समितिया एवं गणेश पंडालो पर किया गया इस कार्यक्रम में 54 प्रशिक्षण संस्थानों/प्रशिक्षकों द्वारा 18 अगस्त से 25 अगस्त 2017 की अवधि में विभिन्न स्थानों पर 124 प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से 24724 प्रशिणाथियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिणार्थी द्वारा प्रशिक्षण की अवधि में 4557 बीज गणेश मूतियों का निर्माण किया गया। कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य जैवविविधता बोर्ड के चेयरमेन श्री ए.के. श्रीवास्तव आई.एफ.एस. एवं तेलंगाना राज्य के जैवविविधता प्रबधन समितियों के पदाधिकारी द्वारा सेवन हिल्स स्कूल अरेरा कॉलोनी, भोपाल, एवं जैवविविधता प्रबंधन समिति हिनोती सड़क, बैरासिया, में बीज गणेश बनाने के कार्यक्रम में भाग लिया गया। कार्यक्रम में निर्मित बीज गणेश को अनन्त चतुर्दशी मूर्ति विसर्जन के दौरान घर आगन में, गमलों में, सार्वजनिक स्थानों में मूर्ति विसर्जन किया गया। इस प्रकार बीज गणेश कार्यक्रम के माध्यम से नदी एवं जलाशयों के पर्यावरण संरक्षण हेतु जन जन द्वारा सक्रिय रूप से भाग लिया गया। इस अनुकरणीय कार्य का अनुसरण भोपाल में एवं प्रदेश के अन्य शहरों में विभिन्न संस्थाओं द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम के प्रति आमजन में उत्साह एवं सहयोग को देखते हुए बोर्ड द्वारा इस कार्यक्रम की जागरूकता हेतु वर्ष भर प्रयास किया जायेगा जिससे की आगामी वर्ष की सितम्बर 2018 में गणेश चर्तुर्थी के अवसर पर अधिक से अधिक जनमानस **''माटीं गणेश–बीज गणेश–सजीव गणेश''** के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग प्रदान कर सकें।

साइन्स एक्सप्रेस 2017

(साइन्स एक्सप्रेस क्लाइमेट एक्शन स्पेशल II प्रदर्शनी ट्रेन)

साइंस एक्सप्रेस भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) का एक प्रमुख कार्यक्रम है। 16 डिब्बों की वातानुकूलित ट्रेन पर स्थापित यह एक अद्वितीय विज्ञान प्रदर्शनी है जो कि सन् 2007 से समस्त भारत में भ्रमण कर रही है। साइंस एक्सप्रेस ने अब तक आठ चरणों में भारत भर की यात्रा की है जिस दौरान अभूतपूर्ण प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। साइंस एक्सप्रेस हाल में SECAS II रूप में अपने नववें चरण की यात्रा पर है। SECAS II भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, (DST) पर्यावरण, वन और जलवायु परिर्वतन, (MoEFCC) जैवप्रौद्योगिकी विभाग (DBT), रेल मंत्रालय एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) तथा विक्रम ए. साराभाई कम्यूनिटी साइंस सेन्टर (VASCSC) की एक अनोखी सहयोगात्मक पहल है। ट्रेन के प्रथम आठ कोच पर MoEFCC द्वारा प्रदर्शनी स्थापित की गई है जिसमें जलवायु परिवर्तन विषय का विज्ञान, प्रभाव, अनुकूलन, अल्पीकरण और नीतियों को बेहद सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। कोच 9–11 में DST और DBT द्वारा प्रदर्शनी स्थापित की गयी है। भारत में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों द्वारा वन्यजीवन एवं प्रकृति संरक्षण के लिये हो रहे कार्य, जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास, भारत में विज्ञान, शिक्षण एवं सामाजिक विकास के लिये जैवप्रौद्योगिकी उपाय, नवप्रवर्तन, इत्यादि विषयों को सम्मिलित किया गया है। कोच 12 एवं 13 में क्रमशः किड्स ज़ोन एवं जॉय ऑफ साइंस हैन्डस् ऑन लैब जैसे गतिविधियों की रचना, खास तौर पर बच्चों के लिए की गयी है। कोच 13 में शिक्षकों के लिए चर्चा एवं प्रशिक्षण हेतु सुविधा भी उपलब्ध है।

प्लेटफार्म गतिविधियॉं SECAS की मुख्य प्रदर्शनी और लैब के विस्तृत भाग के रूप में नज़दीकी प्लेटफार्म उपयोगी होता है। यहॉ की जानेवाली गतिविधियॉ जैसे कि निदर्शन, पहेलियॉ, खेल, प्रश्नोत्तरी, प्रतियोगिता, सामूहिक गतिविधियॉ, SECAS के द्वारा दिए गए संदेश की पूरक साबित होती है। विज्ञान और गणित की अवधारणाओं को मॉडल, किट चर्चा, इत्यादि द्वारा समझाया जाता है। ट्रेन की खिडकियों के बाहरी कॉच को भी संचार साधन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। यहॉ पर विज्ञान–संगत दिवस और प्रसंगो का मनाया जाता है। ट्रेन के भीतर जाने का इंतज़ार कर रहे लोगों को इन गतिविधियों द्वारा अर्थपूर्ण ढंग से व्यस्त रखा जाता है।

जैवविविधता संरक्षण के उद्देश्य से मध्यप्रदेश मे साइन्स एक्सप्रेस क्लाइमेट एक्शन स्पेशल II प्रदर्शनी ट्रेन का मध्य प्रदेश के चार रेल्वे स्टेशनो आमला बैतूल (दिनांक 05–6 अगस्त 2017),

हबीबगंज (दिनांक 07, 08 एवं 09 अगस्त 2017) बीना (दिनांक 10, 11 एवं 12 अगस्त 2017) एंव खजुराहो (दिनांक 13–14 अगस्त 2017) पर निर्धारित समय सारणी अनुसार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

इस प्रदर्शनी में चारो स्टेशनों पर मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड भोपाल की ओर से जैवविविधता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदर्शनी में भाग लेने वाले आम नागरिकों, विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन छात्र–छात्राओं को जैवविविधता जागरूकता से संबंधित प्रचार–प्रसार सामग्री एवं सी.डी.वितरित की गई। साईंस एक्सप्रेस प्रदर्शनी ट्रेन के हबीबगंज स्टेशन आगमन पर ट्रेन के समन्वयक श्री नितिन के विशेष अनुरोध पर जैवविविधता बोर्ड भोपाल के सदस्य सचिव श्री आर. श्री निवासमूर्ति द्वारा दिनांक 07.08.2017 को प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर डॉ बकुल लाड (प्रबंधक बायो) मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, श्री डी.पी तिवारी (कोर टीम सदस्यक) बोर्ड के सहयोगी मास्टर ट्रेनर एवं प्रदर्शनी ट्रेन के सभी कोच के डिमोन्सट्रेटर एवं ट्रेन समन्वयक, उपस्थित रहे।

चारों रेल्वे स्टेशनों पर आयोजित प्रदर्शनी में 57948 प्रतिभागियों प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया जिसमें बोर्ड द्वारा 12784 प्रतिभागियों को सामग्री वितरण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु 4612 प्रतिभागियों शपथ पत्र पर हस्ताक्षर किये गये। कार्यक्रम में बोर्ड के सहयोगी मास्टर ट्रेनर द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD

मीडिया कार्यशाला

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। समाज में मीडिया की भूमिका संवादवहन की होती है। वह समाज के विभिन्न वर्गों, सत्ता केन्द्रों, व्यक्तियों और संस्थाओं के बीच पुल का कार्य करता है। आधुनिक युग में मीडिया का सामान्य अर्थ समाचार–पत्र, पत्रिकाओं, टेलीविजन, रेडियो, इंटरनेट आदि से लिया जाता है। किसी भी देश की उन्नति व प्रगति में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान होता है। मीडिया समाज का निर्माण व पुनर्निर्माण करता है, मीडिया का जन–जागरण में भी बहुत योगदान है। इस प्रकार मीडिया हमारे लिये एक वरदान की तरह है।

इसी उद्देश्य से मीडिया के इसी महत्व को ध्यान में रखते हुये मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा भोपाल के मीडिया समुदाय को जैवविविधता से संबंधित अधिनियम, नियम एवं विभिन्न गतिविधियों के संबंध में जागरूक करने एवं मीडिया समुदाय के माध्यम से देश एवं प्रदेश के जन–जन तक जैवविविधता से संबंधित समाचार पहुॅचाने के उद्देश्य से मीडियॉ प्रतिनिधियों की सक्रियता एवं सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। इस हेतु मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा भोपाल में दिनांक 17 मई 2017 को होटल पलास में एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन की पहल की गई है।

कार्यशाला में भोपाल के पर्यावरण प्रेमियों एवं जन–जन में जैवविविधता संरक्षण एवं संर्वधन संबंधित विषयों के प्रति रूचि जागृत करने एवं ज्ञान में वृद्धि करने करने हेतु जैवविविधता विषय–विशेषज्ञों के माध्यम से कार्यशाला में मीडिया के प्रतिनिधियों को जैवविविधता अधिनियम, 2002 एंव मध्यप्रदेश जैवविविधता नियम, 2004 के प्रावधानों के अंतर्गत जैवविविधता संरक्षण एवं संर्वधन, जैव संसाधनों का संवहनीय उपयोग एवं जैव संसाधनों से उद्भुत लाभ का साम्यपूर्ण प्रभाजन की गुणवत्ता एवं अपेक्षित स्तर की जानकारी उपलब्ध कराई गई। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा अवगत कराया गया कि जैवविविधता के संरक्षण एवं संवर्धन के विषय को जन–जन तक पहुॅचाने हेतु मीडियॉ संस्था एवं देश तथा प्रदेश के समुदाय के मध्य नेटवर्किंग का निमार्ण किये जाने की आवश्यकता है।

कार्यशाला में भोपाल के मीडियॉ जगत के प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय प्रेस मीडियॉ, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं न्यूज चैनल मीडियॉ के प्रतिनिधियों एवं मुख्य संवाददाताओं सहित कुल 100 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया। बोर्ड द्वारा इस अवसर पर सभी उपस्थित मीडियॉ जगत के

प्रतिनिधियों को जैवविविधता अधिनियम एवं जैवविविधता नियम आधारित प्रकासित प्रचार–प्रसार सामग्री किट प्रदान की गई।

जैवविविधता के प्रचार–प्रसार के जनकल्याण कार्य को जन–जन तक पहूॅचाने हेतु बोर्ड को भोपाल के मीडिया जगत सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस कारण बोर्ड द्वारा समय – समय पर जैवविविधता अधिनियम एवं नियम प्रावधानों के क्रियान्वयन एवं जैवविविधता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से मीडिया का सहयोग प्राप्त किया गया। बोर्ड द्वारा जैवविविधता आधारित प्रेस नोट जारी किये गये जिसे प्रेस मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विशेष स्थान प्राप्त हुआ है। इस प्रकार बोर्ड द्वारा आयोजित मीडिया कार्यशाला की पहल का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुआ है।

जीवो जीवस्य जीवनम्
MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD

व्यापारियों एवं विनिर्माताओं के साथ परामर्श बैठक

जैवविविधता अधिनियम, 2002 तथा नियम, 2004 के प्रावधान अनुसार जैव संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग करने वाले जिला श्योपुर के कुल 99 तथा शिवपुरी से कुल 42 व्यापारियों द्वारा प्रारूप – 1 में आवेदन मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड में प्रस्तुत किये। आवेदन प्राप्ति पर नियमानुसार ए.बी.एस. की गणना कर संबंधित व्यापारियों को अवगत कराया गया तथा व्यापारियों से चर्चा करने एवं अनुबंध की कार्यवाही हेतु व्यापारियों एवं विनिर्माताओं के साथ परामर्श बैठक का आयोजन दिनांक 22 एवं 23 दिसम्बर 2017 को क्रमशः श्योपुर एवं शिवपुरी में किया गया।

बैठक में मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के सदस्य सचिव श्री आर. श्रीनिवास मूर्ति, श्रीमति कोमलिका, मुख्य वन संरक्षक, क्षेत्रीय वन वृत्त, शिवपुरी, श्री सी. एस. निनामा, वन संरक्षक पदेन वनमण्डलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल, श्योपुर, श्री लवित वारसी, वनमण्डलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल, शिवपुरी, श्री एम. पी. सिंह, उप वनमण्डलाधिकारी, शिवपुरी, डॉ एलिजाबेथ थॉमस, प्रबंधक (प्रोजेक्टस)/प्रभारी बी.ए.बी.एस. सेल, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड तथा जैव संसाधनो का व्यापार करने वाले व्यापारीगण व क्षेत्रीय वन अधिकारी उपस्थित हुये।

बैठक में उपस्थित व्यापारियों द्वारा जैवविविधता अधिनियम, 2002 एवं नियम, 2004 के तहत जैवसंसाधनों से उद्भूत लाभ का साम्यपूर्ण प्रभाजन में अधिनियम एवं नियमों के प्रावधानों का पालन करना चाहते है। वर्तमान में बोर्ड द्वारा लागू की गयी निर्धारित लाभ प्रभाजन की दर के संबंध में संशोधन करते हए अनुरोध किया गया कि इस वर्ष क्षेत्र में वर्षा कम हुई है। अतः उनके द्वारा व्यापार किये जा रहे जैव संसाधनों की आवक भी कम है। इस कारण इस परिवेश में बोर्ड द्वारा निर्धारित 3 प्रतिशत दर से लाभ प्रभाजन की का भुगतान बोर्ड को नही कर सकते है। व्यापारियों का निवेदन है कि भारत सरकार द्वारा जारी किये गये विनियम, 2014 में 1 से 3 प्रतिशत का प्रावधान है एवं इस वर्ष हेतु इस दर को 1 प्रतिशत की जावे। व्यापारियों द्वारा अवगत कराया किया कि जैव संसाधनों के व्यापार हेतु मण्डी बोर्ड में भी टैक्स देना/जमा करना होता है। इस लिए वह इस बात को स्पष्ट करना चाहते है कि जैवविविधता अधिनियम एवं नियमों के अंतर्गत लाभ का प्रभाजन की व्यवस्था नियमानुसार है या नहीं।

इस संबंध में सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा जैवविविधता अधिनियम, 2002 एवं नियम, 2004 के प्रावधानों के बारे में समझते हुए उपरोक्त बिन्दुओं के संबंध में स्पष्ट किया गया कि बोर्ड द्वारा की जा रही कार्यवाही नियमानुसार है तथा 1 प्रतिशत के संबंध में पुनः विचार

करने हेतु प्रस्ताव बोर्ड संचालक मण्डल में प्रस्तुत किया जावेगा परन्तु वर्तमान में जो प्रतिशत की दर बोर्ड से अनुमोदित है उसे संशोधित होने तक यथावत रहेगी। इसके साथ ही स्पष्ट किया गया कि जैवविविधता अधिनियम, 2002 संपूर्ण भारत में लागू है अतः जैवसंसाधनों का व्यापार करने वाले सभी व्यापारी तथा विनिर्माता जैवविविधता अधिनियम, 2002 तथा मध्यप्रदेश जैवविविधता नियम, 2004 के प्रावधान अनुसार जैव संसाधनो के व्यापारिक उपयोग करने हेतु आवश्यक प्रक्रियां का पालन करें।

जीवो जीवस्य जीवनम्
MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD

राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव, 2017

राज्य स्तरीय मोगली उत्सव, 2017 का आयोजन इस वर्ष प्रदेश के चार अलग अलग स्थानों पर राष्ट्रीय उद्यान कान्हा, किसली, माधव राष्ट्रीय उद्यान, शिवपुरी, सतपुडा राष्ट्रीय उद्यान, मढई होशंगाबाद, व बांधवगढ राष्ट्रीय उद्यान उमरिया में निम्नानुसार कार्यक्रम आयोजित किया गया।

1. **राष्ट्रीय उधान कान्हा किसली जिला मण्डला** में दिनांक 17–18 नवंबर 2017 तक आयोजित मोगली उत्सव में 13 जिले के (मण्डला, डिण्डोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, छिन्दवाड़ा, दमोह, सागर, रायसेन, देवास, बैतूल एवं रतलाम) 78 छात्र–छात्राऐं, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम का समापन श्रीमति सम्पतिया उइके, राज्य सभा सांसद, मध्यप्रदेश, द्वारा किया गया, इस अवसर पर श्री संजय शुक्ला, संचालक, राष्ट्रीय उद्यान कान्हा किसली उपस्थित हुये।

2. **माधव राष्ट्रीय उद्यान, शिवपुरी** में दिनांक 17–18 नवंबर 2017 तक आयोजित मोगली बाल उत्सव शिवपुरी में प्रदेश भर के 13 जिलों (श्योपुर, मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, दतिया, अशोकनगर, गुना, शिवपुरी, नीमच, मंदसौर, आगरमालवा, शाजापुर एवं राजगढ़) से 72 छात्र–छात्राओं शिक्षक एवं शिक्षिकाओं द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम का समापन श्री एच. एस. मोहंता, क्षेत्र संचालक, माधव राष्ट्रीय उद्यान, शिवपुरी की उपस्थिति में सांस्कृतिक कार्यक्रम से साथ संपन्न हुआ ।

3. **बांधवगढ राष्ट्रीय उद्यान, जिला उमरिया** में दिनांक 27– 28 नवंबर 2017 तक आयोजित मोगली बाल उत्सव में प्रदेश के 12 जिलों (उमरिया, रीवा, शहडोल, अनूपपुर, सिंगरौली, सीधी, सतना, कटनी, छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़ एवं विदिशा) से चयनित 72 छात्र–छात्राओं ने शिक्षकों के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का उदघाटन श्री ज्ञान सिंह, सांसद जिला उमरिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर बोर्ड द्वारा प्रकाशित स्मारिका 2017 का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में श्री रामकिशोर चतुर्वेदी, जनपद अध्यक्ष, श्री भालसिंह भयड़िया, कलेक्टर उमरिया उपस्थित हुये।

4. **सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान, मढ़ई – होशंगाबाद** में दिनांक 27– 28 नवंबर 2017 तक आयोजित मोगली बाल उत्सव में प्रदेश के 13 जिलों (उज्जैन, इंदौर, खण्डवा, बड़वानी, बुरहानपुर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, भोपाल, होशंगाबाद, हरदा, रायसेन, सीहोर) से चयनित

छात्र–छात्राओं द्वारा भाग लिया गया। मागली उत्सव का समापन देनवा नदी के तट पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ।

उपरोक्त उद्यानों में बोर्ड की ओर से पार्क सफारी, नेचर ट्रेल, हैबिटेट सर्च, जैवविवधित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता एवं जैवविविधता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वन विभाग द्वारा प्रतिभागियों को इन्टरप्रिटेशन सेंन्टर, के माध्यम से उद्यानों में उपलब्ध जैवविविधता के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। मोगली उत्सव कार्यक्रम में प्रतिभागियों हेतु बोर्ड द्वारा मोगली स्मारिका का प्रकाशन किया गया। जिसका विमोचन कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया। मोगली उत्सव के समापन कार्यक्रम में बोर्ड द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह के रूप में विभिन्न प्रजातियां के पौधों का वितरण, आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरुस्कार वितरण एवं समस्त छात्र–छात्रओं को प्रमाण–पत्र वितरित किये गये।

इन राष्ट्रीय उद्यानों में जैवविविधता जागरुकता के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन में बोर्ड के प्रशिक्षित सहजकर्ताओ एवं सहयोगी मास्टर ट्रेनर द्वारा सक्रिय रूप से भाग लिया गया। बोर्ड द्वारा मोगली उत्सव कार्यक्रम के प्रतिभागियों को जैवविविधता जागरुकता से संबंधित प्रचार प्रसार सामग्री किट प्रदान की गई।

MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD

महाशीर सरंक्षण

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड प्रदेश में जैवविविधता संरक्षण हेतु प्रयासरत् है। बोर्ड द्वारा ऐसी प्रजातियॉ जो कि संकटग्रस्त हैं उनके संरक्षण एवं संवर्धन हेतु गतिविधियॉ संचालित की जाती हैं। इस क्रम में बोर्ड द्वारा संकटग्रस्त मत्स्य प्रजाति महाशीर के संरक्षण हेतु प्रयास किये जा रहे हैं।

महाशीर (टोर टोर) एक दुर्लभ मत्स्य प्रजाति है जिसे मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2011 में राज्य मछली घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि महाशीर मछली शुद्ध पानी में ही जीवित रह सकती है इसी कारण इसे नदी के टाईगर की संज्ञा दी गई है। एक समय में यह मत्स्य प्रजाति नर्मदा में बहुतायात में पाई जाती थी (25 से 28 प्रतिशत) परन्तु विभिन्न मानवीय गतिविधियों एवं जलाशयों के निर्माण के कारण इनकी संख्या 4 प्रतिशत से भी कम हो गई है। इसका मुख्य कारण है, प्रवाहित जल धाराओं का जलाश्य में बदलना, जिससे मछली के प्राकृतिक प्रजनन स्थल समाप्त हो चुके हैं।

खंडवा वन वृत्त के अंतर्गत बड़वाह वनमंडल के क्षेत्र में महाशीर मछली प्राकृतिक रूप से मिल रही है, परन्तु यह भी संकेत मिले हैं कि इस मछली के बच्चे और अण्डे अब बहुत कम देखने में आते हैं जिससे इनकी संख्या में इस खंड में भी उत्तरोत्तर गिरावट आ रही है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस बात की प्रबल संभावना है कि वन क्षेत्रों में जहॉ बारहमासी प्रवाहित जल धाराऍ अभी भी मौजूद है, वहॉ इस मछली के जीवित भंडारण एवं प्रजनन के प्रयास किए जाऍ। अतः इस बात को ध्यान में रखते हुये मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा वन विभाग के सहयोग से संकटग्रस्त मत्स्य प्रजाति महाशीर (टोर–टोर) के अन्तःस्थलीय एवं बाह्यस्थलीय संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य खंडवा वन वृत्त के अंतर्गत बड़वाह वन मंडल में किया जा रहा है। बड़वाह वन मंडल में अन्तःस्थलीय संरक्षण हेतु 6 रहवास स्थलों की पहचान की गई है तथा बाह्यस्थलीय संरक्षण हेतु महाशीर रिपोजटरी स्थापित की गई है जिसमें महाशीर के जुवेनाईल एवं व्यस्क मछलियों को एकत्रित किया गया है। परियोजना अंतर्गत महाशीर के प्रजनन से संबंधित प्रोटोकाल (फ्राय, फिंगर लिंग एवं ब्रूडर) हेतु प्रोटोकाल विकसित किये गये। वर्ष 2016–17 में 1006 महाशीर जुविनाईल्स एकत्रित किये गये जिसमें से 969 को महाशीर रिपोजिटरी में स्थापित किया गया है एवं 548 फिंगरलिंग प्राप्त हुये। एवं 548 फिंगर लिंग से व्यस्क तैयार हुये। 441 फिंगर लिंग को चोरल नदी में भी छोड़ा गया साथ ही वन विभाग के क्षेत्रीय अमले की भी क्षमता वृद्धि की गई एवं स्थानीय समुदाय को महाशीर संरक्षण से जोड़ने हेतु बाड़स मित्र मंडली का गठन किया गया है।